जनभारत दि. 01/08/19

बाढ़ में फंसे 7 लोगों को बचाया

10 घंटे चला रेस्क्यू आपरेशन

चंद्रपुर (का). गहरी अंधेरी रात और नाले में निचले क्षेत्र में घुटनों तक पानी, उसमें फंसे 7 लोगों ने लगभग 10 घंटों तक संघर्ष किया. आखिरकार सभी का सौभाग्य अच्छा था कि आपदा प्रबंधन की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. यह रोमहर्षक घटना नागभीड़ में हुई. मंगलवार की रात करीब 11.20 बजे नागभीड़ के तहसीलदार चव्हाण ने जिला नियंत्रण कक्ष में फोन किया. उन्होंने बाढ़ में कुछ लोगों के फंसे होने की जानकारी दी. जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में खोज एवं बचाव दल घटनास्थल की ओर रवाना हुआ. अत्यंत विपरीत परिस्थिति में खोज एवं बचाव दल ने बाढ़ में फंसे 7 लोगों को बचाया. इनमें वैजयंत रामोडे (42), युरेहा दडमल (38) दोनों तलोधी निवासी, नरवास निवासी पखारी रघुनाथ (42), श्रीराम मोहुर्ले (48), सावरगांव निवासी जयराम गेडाम (60), गजानन गेडाम (40), वलनी निवासी कौडू राऊत (54) का समावेश है.

खेत में काम करने गए थे

बाढ़ में फंसे सातों लोग खेत में काम करने के लिए गए थे. बढ़ती बारिश और नाले में बढ़ रहे जलस्तर का अंदाज नहीं लग पाने के कारण वे शाम करीब 5 बजे बाढ़ में फंस गए. बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने की मुहिम तड़के करीब 2.45 बजे तक चली. बचाव दल में सुनील नागतोड़े, शरद बनकर, गजानन पांडे, अजय यादव, राजू निंबलकर, राहुल पाटिल, रामभंवर हाडा, ताकसांडे, राष्ट्रपाल नाईक, मेश्राम और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी जितेश सुरवाडे का समावेश था. इसके अलावा खोज और बचाव दल को नागभीड़ के तहसीलदार चव्हाण, तहसील प्रशासन कर्मचारी रोशन सिरसाल, नागभीड़ के थानेदार, सहयोगी, पठान, नेवारे, गुप्ता, निमगड़े, शेख एवं पुलिस मित्र लोकेश पर्वते, अंगराज पर्वते ने सहयोग किया.

बह गया दाताला मार्ग का रपटा

मंगलवार तक पानी में डूबा हुआ दाताला मार्ग का रपटा बुधवार को पानी उतरने के बाद बाढ़ में पूरी तरह से बह चुका हुआ नजर आया. यहां दाताला पर बड़े पुल का निर्माण किया जा रहा है. जिसके चलते दाताला परिसर से आवाजाही करने वालों के लिए यहां नदी के बाजू में रपटा तैयार किया गया है. लगातार बारिश से यह रपटा पूरी तरह से पानी में डूबा होने से वैसे ही यातायात पूरी तरह से ठप हो गया था. जैसे बारिश थमने के बाद पानी उतरा तो रपटा पूरी तरह से बह चुका था. रपटे के लिए लगाये गए बड़े-बड़े पाइप भी बह चुके थे. इससे अब कई दिनों तक यह मार्ग बंद रहेगा इससे नये चंद्रपुर, म्हाडा क्षेत्र, एमआईडीसी, दाताला की ओर जाने वाले वाहनों को अब अन्य रास्तों का इस्तेमाल करना होगा. इससे कई लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है. कई शैक्षणिक संस्थान नदी के उस छोर पर है. इससे विद्यार्थियों को दिक्कतें पेश आ रही हैं. ग्रामीण क्षेत्र से शहर में आने वाले विद्यार्थियों और ग्रामीणों के लिए भी दिक्कतें खड़ी हो गई हैं.